13 राजगीर

भागलपुर

25 अगस्त 09

प्रिय शालिनी,

कल शाम तुम्हारी चिट्ठी मिली। पत्र में तुमने राजधानी पटना के दर्शनीय स्थलों की चर्चा की है। साथ ही साथ तुम्हारे द्वारा भेजी गई तस्वीरों ने मुझे उन जगहों को देखने के लिए उतावला कर दिया है।

आज मैं भी तुम्हें एक दर्शनीय स्थल 'राजगीर' के बारे में बताती हूँ, जहाँ से मैं पिछले ही सप्ताह घूमकर आई हूँ। राजगीर नालन्दा जिला में है। प्राचीनकाल में यहाँ मगध राज्य की राजधानी थी, जो 'राजगृह' के नाम से प्रसिद्ध थी।

राजगीर का क्षेत्र पाँच पहाड़ियों से घिरा है। राजगीर की प्राकृतिक सुन्दरता देखते ही बनती है। यहाँ ऐतिहासिक और धार्मिक महत्त्व के स्मारक भरे पड़े हैं; जैसे - बड़े-बड़े पत्थरों से बनी दीवार, 'शिलाघटित महाप्राकार', जिसका निर्माण महाराजा बिम्बिसार ने राजगृह की सुरक्षा के लिए करवाया था। 'वेणुवन' महाराजा बिम्बिसार का बगीचा था।

एक समय में एक बलशाली राजा जरासंध हुए थे। जरासंध को कुश्ती का शौक था। यहीं 'जरासंध का अखाड़ा' है जहाँ जरासंध एवं भीम में 28 दिनों तक मल्लयुद्ध लड़ा गया था और जरासंध भीम के हाथों

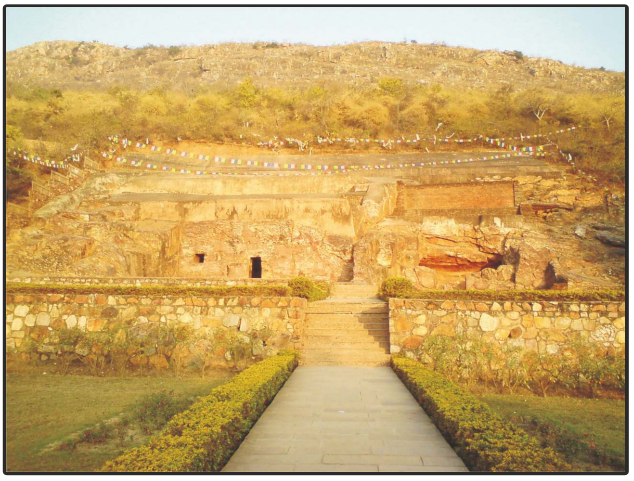

मारा गया था। 'सोन भंडार गुफा' में जरासंध का सोने का भंडार था।

यहाँ तुम्हें भव्य ''विश्व शांति-स्तूप'' के भी दर्शन होंगे, जो ऊँची पहाड़ी पर स्थित है। पहाड़ी पर बनाए गये सीढ़ियों के द्वारा यहाँ आसानी से पहुँचा जा सकता है। 'रज्जु मार्ग' द्वारा ''विश्व शांति-स्तूप'' की यात्रा अत्यन्त रोमांचकारी है। हरी-भरी मनोरम पहाड़ियाँ मन को मोह लेती हैं।

राजगीर में गर्म पानी के अनेक सोतें हैं, जिन्हें 'कुंड' कहा जाता है। इन कुंडों में ब्रह्म-कुंड, सीता-कुंड, सरस्वती-कुंड, विष्णु-कुंड, सप्तधारा आदि प्रमुख हैं। इन कुंडों में स्नान करने से चर्म रोग दूर होते हैं, ऐसा माना जाता है।

इन कुंडों के पश्चिम में 'सप्तपर्णी गुफा' है। 'गिद्ध कूट गुफा' में गौतम बुद्ध अक्सर ठहरते थे। राजगीर में हिन्दू और बौद्ध ही नहीं, जैन धर्मावलम्बियों के लिए भी दर्शनीय स्थान हैं। 'वीरायतन' में भगवान महावीर की जीवनलीला को बड़े ही आकर्षक और सजीव ढंग से दर्शाया गया है। यहाँ कई जैन मंदिर भी हैं।

राजगीर की सुन्दरता देख वहाँ बार-बार जाने का मन करता है। जब यहाँ मलमास का मेला लगता है, उस समय तो यहाँ काफी भीड़ होती है। मैं तुम्हें राजगीर के विभिन्न दर्शनीय स्थलों के चित्र भेज रही हूँ, जिन्हें देखकर तुम भी राजगीर की सैर करना चाहोगी।

अब मैं अपना पत्र यहीं समाप्त करती हूँ। चाचा-चाची को मेरा प्रणाम बोलना तथा आदित्य को शुभ आशीष।

तुम्हारी सहेली

ज्योति

शब्दार्थ

दर्शनीय	–	देखने लायक	**प्राचीन**	–	पुराना
प्राकृतिक	–	प्रकृति से संबंधित	**ऐतिहासिक**	–	इतिहास से संबंधित
धार्मिक	–	धर्म से संबंधित			
राजधानी	–	जहाँ से देश या राज्य का राज-काज चलाया जाता है।			

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें –

(क) आपके आसपास कौन-कौन सा प्रसिद्ध स्थान है, जहाँ लोग घूमने आते हैं ?

.....

(ख) इस पाठ को पढ़कर आपको राजगीर के किस स्थान को देखने की सबसे अधिक इच्छा हो रही है और क्यों ?

.....

2. पाठ से बताइए –

(क) इस पत्र में किस प्रसिद्ध स्थान के बारे में बताया गया है ?

.....

(ख) रज्जु मार्ग से कहाँ जाया जाता है ?

.....

(ग) ज्योति ने शालिनी को राजगीर के चित्र क्यों भेजे ?

.....

3. सही कथन के आगे (√) चिह्न तथा गलत कथन के आगे (x) चिह्न लगाएँ–

(क) शालिनी ने ज्योति को पटना के दर्शनीय स्थलों की तस्वीरें भेजी थीं। ( )

(ख) प्राचीन काल में मगध राज्य की राजधानी राजगृह में थी। ( )

(ग) पटना में भव्य शांति-स्तूप है। ( )

(घ) कुंडों में स्नान करने से चर्म-रोग होते हैं। ( )

(ङ) 'शिलाघटित महाप्राकार' का निर्माण बिम्बिसार ने करवाया था। ( )

(च) वेणुवन जरासंध का बगीचा था। ( )

(छ) ज्योति ने शालिनी को राजगीर के दर्शनीय स्थलों की तस्वीरें भेजीं। ( )

4. इस पाठ के आधार पर बताइए कि –

(क) पत्र कौन लिख रही है ? .....

(ख) पत्र किसको लिख रही है ? .....

(ग) पत्र कहाँ से भेजा जा रहा है ? .....

(घ) पत्र कब (किस तारीख को) लिखा गया?.....

5. शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए –

दर्शनीय	पुराने समय
राजधानी	इतिहास से संबंधित
प्राचीनकाल	धर्म से संबंधित
प्राकृतिक	जहाँ से राज-काज चलाया जाता है।
ऐतिहासिक	देखने योग्य
धार्मिक	प्रकृति द्वारा बना, जिसे आदमी ने नहीं बनाया है।

6. एक शब्द से कई शब्द बनाइए –

म हा रा जा जैसे- मजा, ...

....

7. पाठ में राजगीर के कई दर्शनीय स्थानों की चर्चा है। उनकी सूची बनाएँ-

_____ _____

_____ _____

8. पत्र से समाचार मिलता है। हमें अपने रिश्तेदारों के समाचार चाहिए तथा देश-दुनिया के समाचार भी । इन समाचारों को पाने के और कौन-कौन से साधन हैं ?

<u>रिश्तेदारों के समाचार</u> <u>देश-दुनिया के समाचार</u>

_____ _____

_____ _____

9. अपने शिक्षक की सहायता से बिहार राज्य के दर्शनीय स्थानों की सूची बनाइए-

10. लिफाफे के ऊपर 'प्रेषक' एवं 'सेवा में' के नीचे खाली स्थान को भरें-

प्रेषक :

.....

.....

.....

सेवा में,

.....

.....

.....